(ख) और (ग) वर्तमान निर्यात-आयात नीति के अनुसार इस्पात का आयात निर्बाध रूप से किया जा सकता है। तथापि, आयात की मात्रा आयातकर्ताओं की विशिष्ट आवश्यकताओं पर निर्भर करती है ताकि मात्रा तथा गुणता दोनों की दृष्टि से घरेलू उपलब्धता को पूरा किया जा सके इस्पात का आयात घरेलू मांग, उपलब्धता और मूल्य तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है। इस्पात की कुछ मात्रा का हमेशा आयात करने की आवश्यकता होगी विशेष रूप से उन श्रेणियों के, जिनकी आवश्यकता कम मात्रा में होती है और उनका देश में उत्पादन नहीं किया जाता।

(घ) पिछले तीन वर्षों में विक्रेय इस्पात का औसतन वार्षिक आयात 14.0 लाख टन है।

(ङ) अप्रैल-नवम्बर, 1995 की अवधि के दौरान आयात किए गए विक्रेय इस्पात का अनन्तिम मूल्य 1923 करोड़ रुपए है।

बिहार में सुनिश्चित रोजगार योजना

872. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या ग्रामीण और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में सुनिश्चित रोजगार योजना के अंतर्गत कितने प्रखंडों को लिया गया है तथा इस संबंध में स्वीकृत राशि एवं अदा की गई राशि का प्रखंड-वार ब्यौरा क्या है और इस योजना के अंतर्गत अभी उपलब्ध कराई जाने वाली राशि का ब्यौरा क्या है; और

(ख) सुनिश्चित रोजगार योजना के अंतर्गत प्रखंडों के चयन हेतु क्या मानदंड अपनाए गये हैं और इस योजना के तहत कार्यान्वित किये गये कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रामीण रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग) (श्री विलास बाबूराव मुत्तेमवार): (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा बिहार में ऐसी कोई योजना कार्यान्वित नहीं की जा रही है, तथापि, बिहार में 43 जिलों के 448 खण्डों में सुनिश्चित रोजगार योजना कार्यान्वित की जा रही है। 1995-96 के दौरान जिलेवार रिलीज को संलग्न विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिए)

(ख) सुनिश्चित रोजगार योजना, समन्वित जनजातीय विकास कार्यक्रम, सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम, मरूभूमि विकास कार्यक्रम, पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, बाढ़ग्रस्त क्षेत्र तथा गहन जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत पहले कवर किए गए सभी जिलों के अन्तर्गत कवर किए गये पुर्नगठित सार्वजनिक वितरण प्रणाली खण्डों में कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत कार्यक्रमों में जैसे कि भूमि तथा जल संरक्षण, वन लगाना, कृषि बागवानी वन चरागाह लघु सिंचाई, सम्पर्क सड़कें, प्राथमिक पाठशाला तथा आंगनवाड़ी भवनों आदि को लिया जाता है।

विवरण

1995-96 के दौरान सुनिश्चित रोजगार योजना के अन्तर्गत बिहार को जिलेवार निधियों की रिलीज

क्रमांक	जिले	रिलीज निधियां (लाख रुपये में)
1	2	3
1.	पटना	150.00
2.	नालन्दा	130.00
3.	भोजपुर	120.00
4.	रोहतास	170.00
5.	जहानाबाद	120.00
6.	मवादा	370.00
7.	पश्चिम चम्पारन	150.00
8.	पूर्वी चम्पारन	190.00
9.	सीतामढ़ी	500.00
10.	मधुबनी	310.00
11.	पूरनिया	90.00
12.	कठिडार	120.00
13.	खवाडिया	60.00
14.	गोड्डा	220.00
15.	साहिबगंज	380.00
16.	डुमका	400.00
17.	देवघर	210.00
18.	धनबाद	270.00
19.	गिरिडीह	270.00
20.	हजारीबाग	510.00
21.	पलामू	900.00
22.	लुहारडग्गा	110.00
23.	गुमला	430.00
24.	रांची	520.00
25.	पूर्वी सिंहभूम	780.00
26.	अररिया	110.00
27.	किशनगंज	60.00
28.	भबुआ	400.00
29.	बक्सर	60.00

1	2	3
30.	बका	90.00
31.	जमुई	270.00
32.	गढवा	520.00
33.	छपरा	207.00
34.	बोकारो	150.00
35.	गया	460.00
36.	सहरसा	200.00
37.	मुंगेर	400.00
38.	वैशाली	320.00
39.	मुजफ्फरपुर	300.00
40.	दरभंगा	320.00
41.	सुपौल	220.00
42.	मधेपुरा	220.00
43.	भागलपुर	320.00
	कुल	12160.00

Major Categories of Disability

873. SHRI V. RAJESHWAR RAO:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of WELFARE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 671 given in the Rajya Sabha on 1st December, 1995 and state:

(a) what is the estimated number of disabled persons in India;

(b) the major categories of disabled persons, the first five major disabilities alongwith the number of disabled in each category of disability; and

(c) what steps are being taken for the welfare of the disabled in this country?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) The estimated number of disabled persons in India except mentally handicapped is 16.15 millions as per National Sample Survey Organisation (NSSO) Report 1991.

(b) The information is indicated in the enclosed Statement-I. (*See* below)

(c) The steps being taken for the welfare of the disabled are mentioned in the enclosed Statement-II.

Statement-I

Estimated Number of Disabled Persons in India—1991 (In Millions)

Category of Disability	Rural			Urban			Total
	Male	Female	Persons	Male	Female	persons	
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(3)+(6)
Visual	1.539	1.796	3.335	0.308	0.362	0.670	4.005
	(46.15)	(53.85)	(83.27)	(45.97)	(54.03)	(16.73)	
Hearing	1.409	1.164	2.573	0.339	0.330	0.669	3.242
	(54.76)	(45.24)	(79.36)	(50.67)	(49.33)	(20.64)	
Speech	0.942	0.557	1.499	0.296	0.169	0.467	1.966
	(62.84)	(37.16)	(76.25)	(63.81)	(36.19)	(23.75)	
Hearing and/ or Speech	2.009	1.490	3.499	0.557	0.426	0.983	4.482
	(57.42)	(42.58)	(78.07)	(56.66)	(43.34)	(21.93)	
Locomotor	4.396	2.411	6.807	1.370	0.762	2.132	8.939
	(64.58)	(35.42)	(76.15)	(64.26)	(35.74)	(23.85)	
Physical (atleast one of the above)	7.442	5.210	12.652	2.078	1.424	3.502	16.154
	(52.82)	(41.18)	(78.32)	(59.34)	(40.66)	(21.68)	

NOTE : 1. Figures in brackets indicate percentages and percentages shown in cols. (1) and (2), in col. (3) and (6) and cols. (4) and (5) add up to 100.

2. Figures of hearing, speech and hearing and/or speech disability excludes the age-group below 5 years.

SOURCE: Report of Manpower Development Rehabilitation Council of India (A Statutory Body), Ministry of Welfare, Government of India, New Delhi.